A-629

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-104

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. वातजन्य एंव पित्तजन्य रोगों पर ज्योतिषशास्त्रोक्त योगों की दृष्टि से विचार प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. त्रिदोषजन्य व्याधियों के योगों पर ज्योतिषीय विवेचना करते हुए ज्वरों के योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. कर्मफल के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए उनकी विस्तृत विवेचना कीजिए।

Q.4. दशा एंव गोचर के अनुसार कर्मफल का विचार किस प्रकार किया जाता है? विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. रोगोपचार में दान, मणि, मन्त्र एंव औषधि के प्रयोग पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. कफजन्यव्याधियों के ज्योतिषीय योगों पर प्रकाश डालिए।

Q.2. कर्मफलविचार में ज्योतिषीय योगों पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. कर्मफल की विवेचना अपने शब्दों में विस्तार से कीजिए।

Q.4. रत्नविज्ञान से ग्रहचिकित्सा पर प्रकाश डालिए।

Q.5. रोगनिवृत्ति में ग्रहों की औषधियों से स्नान के महत्व पर लघु आलेख लिखिए।

Q.6. ग्रहशान्ति की प्रविधि पर ग्रन्थोक्त दिशा से प्रकाश डालिए।

Q.7. विशेष यज्ञानुष्ठान से रोगनिवृत्ति पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. ज्वर के प्रभेदों का वर्णन करते हुए उनके ज्योतिषीय योगों की विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

****